

लीले तू आज्ञा | by Amit Kalra Meetu

आज्ञा

ओ लीले तू आज्ञा मेरे बाबा को लेके आज्ञा
मैने राहों में पलकें बिछाई
मैने कुटिया अपनी सजाई
तू अपना फ़र्ज़ निभा जा
मेरे बाबा को लेके आज्ञा हो आज्ञा
ओ लीले तू आज्ञा.....

तुझपे बैठ के मेरे बाबा लेली के असवार हुए
पत्थर भी पारस बन जाता गर जो मेरा श्याम छुए
ओ रंग के नीले नीले, इस दास की विनती सुनले
मेरे श्याम को मुझसे मिला जा, मिला जा
ओ लीले तू आज्ञा.....

तेरी महिमा सबसे निराली गगन भी शीश झुकाता है
श्याम का सेवक सबसे प्यारा प्रेमी के घर जाता है
मेरे श्याम को तू ही भाये, हाज़िरी में तू बिछ जाए
तू अपना बेग दिखाजा, दिखाजा
ओ लीले तू आज्ञा.....

रागी दरश को राह निहारे श्याम को घर पे लाना है
जीतू श्याम के चरण पड़ा है प्रेम की धार बहाना है
चरणों का दास तू प्यारे, मेरे श्याम का खास तू प्यारे
अब दरश की प्यास बुझा जा , बुझा जा
ओ लीले तू आज्ञा.....

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a5%80%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%a4%e0%a5%82-%e0%a4%86%e0%a4%9c%e0%a4%be-by-amit-kalra-meetu/>